नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

चाइनीज मांझा; जमीनी हकीकत में लापरवाही

इंदौर में 16 वर्षीय युवक गुलशन की दर्दनाक मौत ने एक बार फिर देशभर में चाइनीज मांझे की समस्या को लेकर गहरी चिंता जता दी है. बायपास के खुले मार्ग पर बाइक से लौटते समय एक अदृश्य, हवा में तैरते हुए मांझे ने उसकी गर्दन चीर दी,एक ऐसी मौत, जो न केवल असमय है बल्कि पूरी तरह टाली जा सकने वाली थी. प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझे की बिक्री, भंडारण और उपयोग का जारी रहना प्रशासनिक ढिलाई का सबसे खतरनाक प्रमाण बन चुका है. चाइनीज मांझा देश में वर्षों से प्रतिबंधित है. इसकी धातु मिश्रित कोटिंग और बेहद तेज़ धार किसी भी मानव शरीर को मिनटों में काट सकती है.

सर्वाधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस मांझे के चलते हर वर्ष देशभर में सैकड़ों लोग घायल होते हैं और कई मौत के शिकार हो जाते हैं,कभी किसी मासूम की गर्दन कटती है, तो कभी बाइक सवार का चेहरा या आंखें. कई राज्यों ने इस पर सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए, लेकिन परिणाम वही,कागज़ों पर प्रतिबंध, ज़मीन पर खुलेआम बिक्री. इंदौर कलेक्टर द्वारा 25 नवंबर से लागू प्रतिबंध के बावजूद जिस सहजता से यह जानलेवा मांझा बाजारों में उपलब्ध है, वह बताता है कि प्रशासनिक सख्ती केवल घोषणाओं तक सीमित है. यदि बाजारों में ऐसे उत्पाद बिक रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि न तो पर्याप्त निगरानी है, न ही स्थानीय थोक विक्रेताओं पर प्रभावी छापेमारी. गुलशन की मौत केवल एक हादसा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि आने वाले त्योहारों, पवन अनुकूल मौसम और मकर संक्रांति जैसे अवसरों पर यह समस्या और भयावह रूप ले सकती है.

चाइनीज मांझा न केवल मानव जीवन के लिए, बल्कि पक्षियों, पशुओं और पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा है. हर वर्ष हजारों पक्षी पतंग बाज़ी की भीड़ में उलझकर घायल हो जाते हैं. बिजली की तारों से टकराने पर शॉर्ट सर्किट और आग लगने की घटनाएं अलग. यह स्पष्ट है कि यह समस्या केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय है. इंदौर की घटना हो या दिल्ली की सड़कें, जयपुर के मैदान हों या हैदराबाद की गलियां,जानलेवा मांझा पूरे देश में मौत की लाइन खींच रहा है. इसलिए अब वक्त आ गया है कि सरकारें और पुलिस केवल घोषणाएं न करें, बल्कि ज़मीन पर सुनियोजित, कठोर और निरंतर अभियान चलाएं.

यह बिल्कुल उसी तरह का अपराध है, जैसे अवैध हथियार या ड्रग्स बेचना,क्योंकि इसका परिणाम सीधे किसी मासूम की जान पर पड़ता है. केवल दुकानदार पर एफआईआर पर्याप्त नहीं; सप्लाई चेन को तोड़ने, ऑनलाइन बिक्री बंद कराने और थोक व्यापारियों के नेटवर्क पर कार्रवाई की आवश्यकता है. इसके अलावा समाज की भी जिम्मेदारी है. जानलेवा मांझे का इस्तेमाल केवल एक 'शौक' या रोमांच नहीं. यह किसी और की जिंदगी पर संकट है. हर नागरिक को जागरूक बनना होगा, हर माता-पिता को अपने बच्चों को समझाना होगा कि ऐसी चीजें मनोरंजन नहीं, अपराध हैं.

गुलशन की मौत एक परिवार की व्यक्तिगत त्रासदी से कहीं अधिक है,यह इंदौर ही नहीं, पूरे देश के लिए चेतावनी है.यदि इस बार भी प्रशासन ने आंखें मूंदी रहीं, तो अगली मकर संक्रांति तक कई और मासूमों की गर्दनें इन्हीं धागों से लहुलुहान होंगी. प्रतिबंध तभी सार्थक होगा जब उसकी कड़ाई से, स्थायी और ईमानदार तरीके से पालन किया जाए. वरना हर शहर में चाइनीज मांझा अपनी तेज़ धार से सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलता रहेगा, और हम हर बार बस श्रद्धांजलि देकर आगे बढ़ते रहेंगे.

मोहन की बंशी बजी

सामूहिक विवाहोत्सव में बेटे की शादी

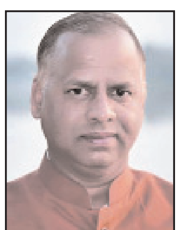

कृष्णमोहन झा

> मोहन यादव अब देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं जिन्होंने अपने उच्च शिक्षित बेटे के विवाह संस्कार के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन का प्रांगण चुना. मैं समझता हूं कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की इस स्तुत्य पहल का उल्लेख अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम में करें तो यह सिलसिला तेजी से आगे बढ़ सकता है. प्रधानमंत्री के उक्त प्रेरणादायक संबोधन में मुख्य मंत्री मोहन यादव के बेटे की सादगी पूर्ण शादी का उल्लेख कर महंगी शादियों में होने वाली फिजूल खर्ची और धन की बर्बादी को रोकने के लिए बड़े बड़े धनकुबेरों को प्रेरित कर सकते हैं. इसमें दो राय नहीं हो सकती कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने महाकाल की नगरी में पुण्य सलिला क्षिप्रा के तट से जो स्तुत्य पहल की है उसे एक अभियान के रूप में जारी रखने की आवश्यकता है जिसमें देश के सभी राज्यों की सरकारों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए.

समाज में वर्षों से यह आम धारणा बनी हुई है कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों में उन्हीं जोड़ों के विवाह संपन्न होते हैं जिनके परिजनों के समक्ष कोई आर्थिक विवशता होती है. मध्यप्रदेश में इस धारणा को तोड़ने की जो स्तुत्य पहल राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने की उसने सारे देश का ध्यान आकर्षित किया है. गत दिवस महाकाल की पावन नगरी में संपन्न सामाजिक विवाह सम्मेलन में जिन 21 जोड़ों ने अग्नि के सात फेरे लिए उनमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वितीय सुपुत्र डा अभिमन्यु यादव भी शामिल थे जो इस बहुचर्चित सामूहिक विवाह सम्मेलन में डा इशिता पटेल के साथ परिणय सूत्र में आबद्ध हुए.

संपूर्ण विधि विधान के साथ पुनीत वैदिक रीति कर्म के अनुसार सभी जोड़ों का विवाह संस्कार संपन्न कराने के लिए इस सम्मेलन में सुविख्यात योगगुरु बाबा रामदेव की उपस्थिति ने इस अनूठे कार्यक्रम को महिमा मंडित कर दिया.इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज एवं जूना अखाड़ा के स्वामी हरि गिरि ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद स्वरूप एक एक लाख रुपए की राशि प्रदान करने की घोषणा की . यूं तो इस गरिमामय समारोह में नवदम्पत्तियों को शुभाशीष प्रदान करने के लिए बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेन्द्र शास्त्री एवं प्रमुख साधु-संत, मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, दुर्गादास उइके, मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सहित अनेक मंत्री, राजनेता , समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई परन्तु सभी अतिथियों की एक जैसी आवभगत की गई. आतिथ्य में किसी भी स्तर पर भेदभाव की झलक भी दिखाई नहीं दी.

सम्मेलन स्थल की सादगी एवं समरसता को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानों मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सम्मेलन के व्यवस्थापकों से विवाह सम्मेलन को भव्यता प्रदान करने से परहेज करने के लिए पहले ही निर्देशित कर रखा था. मुख्यमंत्री मोहन यादव इस सम्मेलन में विवाह की हर रस्म में एक सामान्य पिता की तरह नजर आ रहे थे. पूरे कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जितने सहज सरल दिखाई दे रहे थे उसे देखकर किसी अनजान व्यक्ति के लिए यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल था कि सम्मेलन में किसी प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री की बेटे की भी शादी रही थी. मुख्यमंत्री की सादगी और सरलता ने सबको अभिभूत कर दिया था. सर्वत्र अपने मिलनसार स्वभाव के लिए विख्यात मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रत्येक अतिथि से खुद आगे बढ़कर मिल रहे थे. सम्मेलन में जिन 21 जोड़ों ने अग्नि के साथ फेरे लिए उन्हें मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी शुभकामनाएं और शुभाशीष देते हुए कहा कि ये सभी मेरे बेटे बेटी हैं. पिछले कुछ वर्षों से देश में महंगे विवाह समारोहों के आयोजनों में जिस तरह अतुल्य वैभव और शान-शौकत के प्रदर्शन का फैशन चल पड़ा है उन सबके बीच मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की यह पहल नि:संदेह अनुकरणीय है. इसके माध्यम से वे यह संदेश देने में भी पूरी तरह सफल हुए हैं कि समाज के हर वर्ग में सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजनों को प्रोत्साहन किया जाना चाहिए. इसमें कोई संदेह नहीं कि अपने बेटे बेटी की धूमधाम से शादी करना हर माता-पिता का अधिकार है परन्तु शादी के पावन संस्कार को यदि इवेंट का रूप दे दिया जाए तो कहीं न कहीं विवाह संस्था भी प्रभावित होती है.

सामूहिक विवाह सम्मेलन में अत्यंत सादगी के साथ अपने बेटे का विवाह संस्कार संपन्न कराने की जो पहल मोहन यादव ने की उसमें यह संदेश भी छुपा हुआ है कि धनकुबेर माता पिता अपनी संतान की शादी में वैभव का प्रदर्शन करने के लिए जो धनराशि पैसों की तरह बहाने में संकोच नहीं करते वे अगर उस धनराशि का एक छोटा सा अंश गरीब बेटे बेटियों की शादी पर खर्च करने का मन बना लें तो वे न जाने कितने गरीब परिवारों की शुभकामनाओं के पात्र सकते हैं.

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

मालवा- निमाड़ की डायरी

पटवारी को चौधरी ने दिखा दिया रुतबा

संजय व्यास

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपनी मनमर्जी से जिला संगठन मंत्रियों की नियुक्ति कर डाली. इन संगठन मंत्रियों ने भी पद मिलते ही जिलाध्यक्षों की राय बिना पार्टी के कामकाज में हस्तक्षेप शुरू कर दिया. इससे निर्वाचित जिलाध्यक्षों के सामने परेशानियां खड़ी हो गईं. अंतत: इन्होंने समस्या प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी तक पहुंचाई.

चौधरी भी उनकी जानकारी के बगैर की गई इन नियुक्तियों पर उखड़ गए और पार्टी बॉयलाज में संगठन मंत्री जैसा कोई पद न होने का हवाला देते हुए सारी नियुक्तियां रद्द कर दीं. अपनी किरकिरी होते देख पटवारी ने आनन-फानन हरीश चौधरी से संपर्क किया, चौधरी भी पिघल गए और कहा कि पहले नियुक्तियों का प्रस्ताव भेजो फिर एआईसीसी निर्णय करेगी. इसके बाद जीतू पटवारी ने ऐसा ही किया. परिणाम स्वरुप पटवारी की सूची पर हरीश चौधरी ने मुहर तो लगाई, परंतु पदनाम जिला संगठन मंत्री की बजाए संगठन महामंत्री कर दिया. चर्चा है कि चौधरी पटवारी से बिगाड़ भी नहीं चाहते थे और उन्हें अपनी अवहेलना भी बर्दाश्त के बहार थी. इसलिए नियुक्तियां रद्द करने का झटका देकर पटवारी को अपना रुतबा भी दिखा दिया. साथ ही आगे के लिए हिदायत भी दे दी कि उनकी अनुमति के बिना किसी की भी नियुक्ति नहीं होनी चाहिए.

नायब तहसीलदार पर भड़की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

भानपुरा में एसआईआर निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार रघुनाथ मचार और हरीगढ़ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुसुम गुर्जर के बीच कहासुनी का मामला सुर्खियों में आ गया है. दोनों ने एक-दूसरे के विरुद्ध अभद्रता के आरोप लगाए हैं. निरीक्षण के दौरान रघुनाथ मचार ने एसआईआर कार्य में प्रगति की बात पर कुसुम गुर्जर भडक़ गई और बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों के बीच दोनों के बीच कहासुनी से माहौल गरमा गया.

इस दौरान मौजूद ग्रामीण नायब तहसीलदार के पक्ष में हो गए और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की कई कमियां भी गिना दीं. मामला एसडीएम गरोठ तक पहुंच गया है. देखते हैं वे कैसे विवाद सुलझाते हैं.

महेश पटेल की बढ़ती सक्रियता

गत विधान सभा चुनाव में भाई कांग्रेस नेता मुकेश पटेल की आलीराजपुर में हार के बाद से पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश पटेल यहां अपने परिवार के वर्चस्व के पुनर्स्थापन में जुटे हुए है. एक समय उनके पिता वेस्ता पटेल का आलीराजपुर ही नहीं झाबुआ जिले तक बोलबाला था, वे कांग्रेस के धाकड़ नेता रहे हैं. धीरे-धीरे कांतिलाल भूरिया के उदय के बाद वेस्ता पटेल परिवार की राजनीति आलीराजपुर जिले तक सिमट कर रह गई. यहां भी जोबट विधान सभा में कांतिलाल भूरिया का दखल रहा. उनकी बहन कलावती भूरिया के रहते महेश पटेल को कांग्रेस ने कभी टिकट नहीं दिया. हालांकि अब महेश पटेल की पत्नी जोबट से विधायक हैं. उधर आलीराजपुर सीट पर भाजपा नेता व सरकार में मंत्री नागर सिंह चौहान की जम चुकी जड़ें हिलाने के लिए महेश पटेल जनता की समस्याओं और उनके हर आंदोलन में सक्रियता के साथ आगे नजर आ रहे हैं. यहां उन्हें गुटबाजी के चलते भाजपा के साथ भूरिया परिवार से भी मोर्चा लेना पड़ रहा है. खैर जो भी हो फिलहाल उनके क्षेत्रवासियों की समस्या समाधान के लिए जनता के बीच खड़े रहने से लोकप्रियता में इजाफा हो रहा है.

बिहार के नतीजों से ममता की बेचैनी बढ़ी

विगत चुनाव में बीजेपी ने ममता बनर्जी को सीधा लक्ष्य बनाया था. इस व्यक्तिगत आक्षेप से बीजेपी को लाभनहीं मिला. इस बार वह अपनी चुनावी रणनीति बदल रही है. ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को चुनौती देना आसान नहीं है.

कुछ माह बाद बंगाल विधानसभा का चुनाव होने जा रहा है, लेकिन बिहार के चुनाव नतीजे देखकर टीएमसी प्रमुख व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बेचैनी बढ़ गई है. वह चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण या एसआईआर के खिलाफ दुष्प्रचार कर अपना गुस्सा दिखा रही हैं. उन्हें आशंका है कि इस बार अवैध व बोगस मतदाताओं के नाम कट जाने से उनके हाथ से सत्ता खिसक सकती है. ममता ने काम के दबाव में बीएलओ की आत्महत्या व मौत के लिए चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है. इस दौरान भारत-बांग्लादेश सीमा पर हजारों लोगों की भीड़ सीमा चौकियों पर लगी है जो कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अपने देश वापस जाना चाहते हैं. उनमें से अधिकांश के पास भारत या बांग्लादेश की नागरिकता सिद्ध करने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं हैं. ऐसे प्रमाण सामने आए हैं कि यह बांग्लादेशी हैं जो वर्षों से अवैध रूप से भारत में रह रहे थे. इनकी बदौलत ममता बनर्जी चुनाव जीतती रहीं. उनकी पार्टी टीएमसी ने इन अवैध घुसपैठियों को बसाया और बढ़ावा दिया है. कानून-व्यवस्था को भी इन लोगों से चुनौती बनी हुई थी. इसके अलावा बंगाल में हिंसा की बड़ी समस्या है. इसलिए पिछली बार भी वहां 8 चरणों में चुनाव कराया गया था. ऐसा लगता है कि विधानसभा चुनाव में टीएमसी और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला होगा. लेफ्ट पार्टियों व कांग्रेस की कोई खास भूमिका नहीं रह जाएगी. विगत चुनाव में बीजेपी ने ममता बनर्जी को सीधा लक्ष्य बनाया था. इस व्यक्तिगत आक्षेप से बीजेपी को लाभ नहीं मिला. इस बार वह अपनी चुनावी रणनीति बदल रही है. ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को चुनौती देना आसान नहीं है, जिन्होंने बंगाल में 3 दशक से चले आ रहे लेफ्ट पार्टियों के शासन को उखाड़ फेंका था. इतने पर भी बिहार की सफलता से बीजेपी कार्यकर्ता उत्साहित हैं और उन्हें लगता है कि इस बार बंगाल की जनता बदलाव का वोट देगी.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

टेस्ट सीरीज हारने से बोर्ड अधीर निशाने पर हैं मुख्य कोच गंभीर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, बड़ी गंभीर बात है कि इन दिनों भारतीय क्रिकेट टीम के गौतम गंभीर के माथे पर आलोचना का खप्पर फोड़ा जा रहा है. टेस्ट सीरीज में अपनी क्रिकेट टीम द अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हार गई. अपने बल्लेबाज बुरी तरह विफल रहे. गेंदबाजों को विकेट लेने में कामयाबी नहीं मिल पाई लेकिन इसके लिए गंभीर को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है.'

हमने कहा, 'क्रिकेट गेम ऑफ चान्स होता है, जिसमें हार-जीत लगी रहती है. चैम्पियन ट्रॉफी और एशिया कप में जीत दिलाने वाले गंभीर ने गंभीरतापूर्वक कोचिंग दी होगी, लेकिन खिलाड़ी ढंग से नहीं खेले तो वह क्या करेंगे! कोच सिखा सकता है, खुद खेलने नहीं जा सकता. पुराने कप्तान व कमेंटेटर सुनील गावस्कर ने भी गौतम गंभीर का बचाव किया है.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यह बात काफी सीरियस है कि हमें अपने घरेलू मैदान में द अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज में 2-0 से पछाड़ दिया. बीसीसीआई इस बात को लेकर मुख्य कोच गौतम गंभीर से नाखुश हैं. राहुल द्रविड़ या रवि शास्त्री के कोच रहते समय घरेलू मैदान से भारत नहीं हारता था. हमने कहा, 'कभी-कभी भाग्य साथ नहीं देता या किस्मत दगा दे जाती है. खिलाड़ी गैरजिम्मेदारी से खेले. बल्लेबाजों ने गलत शॉट लगाकर विकेट खोया. स्पिनर विकेट नहीं ले पाए तो इसके लिए गंभीर को जिम्मेदार क्यों माना जा रहा है? पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, 2026 में टी-20 वर्ल्डकप में गौतम गंभीर को टीम का प्रदर्शन बढ़िया रखना होगा. इस पर उनका भविष्य निर्भर रहेगा. वहीं उनका मेक या ब्रेक का फैसला होगा. हमारे देश में एक से एक बढ़कर एक कोच हुए हैं. भीष्म पितामह ने द्रोणाचार्य की कोचिंग क्लास में कौरव-पांडवों को भेजा तो उन्होंने इतनी बढ़िया ट्रेनिंग ली कि आपस में महाभारत कर डाला. द्रोणाचार्य ने अर्जुन को नंबर वन धनुर्धर बनाने के लिए एकलव्य का अंगूठा कटवा डाला था. अपनी टीम की कोचिंग के साथ प्रतिस्पर्धी को हतोत्साहित करना भी आना चाहिए. ऑस्ट्रेलिया के कोच अपने खिलाड़ियों को खेलने के साथ स्लेजिंग करने के लिए भी कहते हैं. टिप्पणी और गालीगलौज करने से प्रतिपक्षी खिलाड़ी उत्तेजित और परेशान होकर विकेट खो बैठता है. गौतम गंभीर भी ऐसी कोई ट्रिक आजमाएं.'

हमने कहा, गंभीर नाम होने से कोई गंभीर नहीं हो जाता और पंकज उदास नाम होने से भी कोई उदास नहीं हो जाता.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12098 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		4	■	5	6
7			■	8			
9		■	10		■	11	
	■	12			13	■	■
14			■	15		16	17
	■	18		■	19		
■	20		■	21		■	
22		■	23				

बाएं से दाएं

1. सर्वोत्तम, जिसकी उपमा न दी गई हो(सं.) 5. कपड़े की बुनावट में लंबाई के बल के सूत, व्यंग्यपूर्ण चुटीली बात 7. रेखा, धारी 8. मानव-संबंधी, इंसानी (सं) 9. प्यारा या दुलारा लड़का, लड़का 10. अच्छा होता यदि (उर्दू) 11. जिस समय, जिस वक्त (उर्दू) 12. एक प्रकार की कृष्ण वर्ण चिड़िया (उर्दू) 14. चिढ़ाना, तंग करना, बजाने के लिए बाजे को हाथ लगाना 15. उपद्रवी, धूर्त, चंचल 18. एक प्रकार की फली जो बहुत चरपरी होती है और साग आदि व्यंजनों में डाली जाती है 19. आंख के ऊपर का पर्दा 20. अवसर, उपयुक्त काल, मोहलत, घटनास्थल (उर्दू) 21. स्थूल, भारी 22. स्त्री की दृष्टि से उसके पति की दूसरी पत्नी 23. नाटक अथवा फिल्म का वह पात्र जिसके कार्य दुष्टतापूर्ण होते

ऊपर से नीचे

1. घोड़े का छोटा बच्चा, अल्हड़ व्यक्ति 2. नोकदार 3. किंतु, लेकिन, तो भी, पंख 4. तमाशा देखने वाला (उर्दू) 5. यंत्र मंत्र या कवच जो किसी संपुट में रखकर पहना जाए, जंतर (उर्दू) 6. सहायक (उर्दू) 10. अरब देश के अंतर्गत मक्का शहर का एक स्थान जहां मुसलमान हज करने जाते हैं 12. कनिष्ठा और मध्यमा के बीच की उंगली 13. लड़खड़ाना, विचलित होना 16. क्रूर, दुष्ट, नीच, खरल 17. बिना पलक गिराए एक ही ओर देखना, स्थिर-दृष्टि, 28. मृत्यु (उर्दू) 21. कीमत, दाम, मूल्य

Solution 12097

आ	व	भ	ग	त	■	इ	ह
जी	त	■	र	न	वा	स	■
व	न	■	म	■	कि	रा	या
न	■	ह	म	स	फ	र	■
का	या	■	सा	र	■	■	इ
रा	म	शि	ला	■	क	र्म	ठ
वा	■	का	■	प	ल	■	ला
स	वा	री	■	द	ह	क	ना

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र के सहयोग से आर्थिक कष्ट दूर होगा. सामाजिक कार्यो में ख्याति प्राप्त होगी. वर्ष के मध्य में साहस पूर्ण कार्यो में यश प्राप्त होगा. जल्दबाजी के कार्यो से बचें. वर्ष के अन्त में शिक्षा के क्षेत्र में व्यवधान आयेगा. आपकी सूझबूझ और समझदारी से काम सम्हल जायेगा. धार्मिक कार्यों में व्यय और रूचि रहेगी. परिश्रम और भागदौड़ सफल होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को साहसपूर्ण कायो में सफलता मिलेगी. जल्दबाजी में लिये गये निर्णयों से नुकसान हो सकता है. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को लेखनादि कार्यो में सफलता प्राप्त होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को गृह कार्यों में सफलता मिलेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को व्यापार व्यवसाय में प्रगाढ़ता आयेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परेशानी का सामना करना पडेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को संयम से काम लेना हितकर रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को सामाजिक कार्यो में ख्याति प्राप्त होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, तेजस्वी, साहसी, तथा उग्र स्वाभाव का, शिक्षा दीक्षा अच्छी रहेगी, नौकरी राजनैतिक कार्यो में सफलता मिलेगी, अनुशासनप्रिय होगा, इसमें नेतृत्व करने की भावना रहेगी. माता पिता का भक्त होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

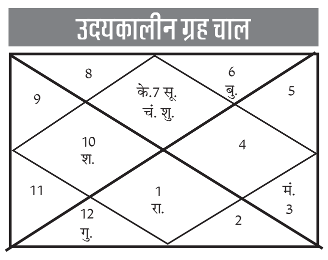

पंचांग

रा.मि. 11 संवत् 2082 मार्गशीर्ष शुक्ल द्वादशी भौमवासरे दिन 12/16, अश्विनी नक्षत्रे शाम 6/23, वरीयान योगे रात 7/30, बालव करणे सू.उ. 6/44, सू.अ. 5/16, चन्द्रचार मेष, पर्व- भौम प्रदोष व्रत, शु.रा. 1, 3, 4, 7, 8, 11 अ.रा. 2, 5, 6, 9, 10, 12 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष शुक्ल द्वादशी को अश्विनी नक्षत्र के प्रभाव से चीनी, रूई, कपास, खांड, सन, जूट, पाट, आदि के भाव में मंदी होगी, गेहूँ, जौ, चना, उड़द, मूँग, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. अलसी, अरंडी, में गिरावट होगी. भाग्यांक 2631 है.

मेष- लिये गये फैसले को बदलने की स्थिति बनेगी, कारोबारी यात्रा होगी, खानपान की अनियमितता रहेगी, शारीरिक श्रम अधिक करना होगा.

वृषभ- भूमि भवन के क्रय विक्रय से लाभ मिलेगा,व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी, जीवनसाथी के सहयोग से नवीन कार्य में सफलता मिलेगी.

मिथुन- वैचारिक गतिरोध दूर होगा, कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी,उत्सव समारोह में सम्मिलित होंगे, भूमि भवन मकान, आदि का काम बनेगा.

कर्क- लोग दबाव बनाने का प्रयास करेंगे, विवादास्पद मामले सुलझेंगे, धन व्यय की अधिकता रहेगी, अनुशासन बना रहेगा.

सिंह- कारोबारी विस्तार की योजना सफल होगी, मनोबल बना रहेगा, साहसिक प्रयत्नों से शत्रुओं का शमन होगा, धार्मिक कार्यो की पूर्ति होगी.

कन्या- जिद में लिये निर्णय जी का जंजाल बनेंगे, सलाह लेकर काम करना लाभकारी रहेगा, आत्म विश्वास एवं परिश्रम से लाभ होगा, नया अवसर प्राप्त होगा.

तुला- बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, कानूनी मामले सुलझेंगे, आर्थिक कार्यो में सफलता मिलेगी, जोखिम के कार्यो से बचने का प्रयास करें.

वृश्चिक- अधिकारियों से मेलजोल में अच्छी सफलता मिलेगी, भूमि भवन का काम बनेगा, शारीरिक सुख एवं मानसिक प्रसन्नता रहेगी, कामकाज के प्रति उत्साह रहेगा.

धनु- समय के साथ तौर तरीकों में बदलाव का मन बनेगा, धीमी गति से चल रही योजना में तेजी आयेगी, आय से अधिक व्यय होगा, विशिष्टजनों का सहयोग मिलेगा.

मकर- रोक-टोक से वाद विवाद की स्थिति निर्मित होगी, धैर्य रखकर कार्य करना अच्छा है, आकस्मिक धन लाभ होगा, गुप्त शत्रुओं से हानि संभव.

कुम्भ- अध्ययन में अच्छी सफलता मिलेगी, नौकरी में अनुकूलता रहेगी, अधिकारी वर्ग सहयोग करेंगे, मांगलिक कार्यो पर व्यय होगा.

मीन- वाणी के असंयम से परिचितों को नाराज कर देंगे, आध्यात्मिक अभिरूचि में वृद्धि होगी, धार्मिक सत्संग बना रहेगा, रूके कार्यो के बनने का योग है.

SUDOKU 7230

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7229

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2